SYLLABUS

RAJASTHANI

इकाई– 1.

राजस्थानी भाषा उद्भव -, विकास, एवं बोलियां

i.राजस्थानी भाषा का उद्भव, विकास एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वैदिक एवं लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश के सन्दर्भ में

ii. राजस्थानी भाषा की प्रमुख बोलियां एवं उनका क्षेत्र मारवाड़ी -, मेवाड़ी, हाड़ौती, ढूंढाड़ी, वागड़ी, मेवाती एवं मालवी

iii. राजस्थानी लिपि (महाजनी) मुड़िया -

iv. राजस्थानी काव्य शैलियां

- डिंगल पिंगल शैली -
- जैन शैली, चारण शैली, संत शैली एवं लौकिक शैली

इकाई– 2

राजस्थानी व्याकरण

i. राजस्थानी वर्णमाला

ii. राजस्थानी की विशिष्ट ध्वनियां

iii. राजस्थानी व्याकरण सामान्य ज्ञान :- संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण-, अविकारी शब्द (अव्यय), समास, उपसर्ग, प्रत्यय, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, शब्द युग्म, अनेकार्थी शब्द, तत्सम तद्भव एवं देशज शब्द

iv. शब्दलेखन परम्परा-कोश-

इकाई– 3. राजस्थानी साहित्य परम्परा-काल विभाजन एवं रूप -

i. काल विभाजन-

- प्राचीन काल सामान्य परिचय -
- मध्यकाल - सामान्य परिचय
- आधुनिक काल सामान्य परिचय

ii. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के प्रकार एवं काव्य व गद्य-परम्परा-रूप-

- काव्य के प्रकार महाकाव्य) प्रबंध काव्य :, खण्डकाव्य(, मुक्तककाव्य
- काव्य - रूप - रासो, वेलि, फागु, पवाड़ा, बारहमासा, सिलोका, संधि, विवाहलो, स्तवन, हीयाळी, चरित
- गद्य रूप- बात, ख्यात, विगत, वचनिका, दवावैत, बालावबोध, टीका, टब्बा, वंशावली, गुर्वावली, पट्टा

इकाई– 4. प्राचीन राजस्थानी साहित्य

i. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

ii. प्रमुख प्रवृत्तियां

iii. प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं वर्गीकरण -, विषयवस्तु एवं विशेषताएं

इकाई– 5. मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य

i. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

ii. प्रमुख प्रवृत्तियां वीर -, भक्ति, शृंगार, नीति, रीति, प्रेमाख्यान एवं प्रकृति परक

iii. प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं वर्गीकरण -, विषयवस्तु एवं विशेषताएं

iv. प्रमुख संत सम्प्रदाय - नाथसिद्ध-, गूदड़पंथ-, विश्नोई सम्प्रदाय, दादू पंथ, रामस्नेही, जसनाथी, चरणदासी, लालदासी, निरंजनी, आई पंथ एवं जैन सम्प्रदाय

इकाई– 6. आधुनिक राजस्थानी काव्य

i. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

ii. प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं वर्गीकरण -, विषयवस्तु एवं विशेषताएं

iii. राष्ट्रीय चेतना परक एवं वीर काव्य

iv. प्रगतिवादी काव्य

V. प्रकृतिपरक काव्य-

vi. नई कविता

vii. हास्य एवं व्यंग्य प्रधान काव्य

viii. मानवतावादी काव्य

ix. अनूदित काव्य

इकाई– 7. आधुनिक राजस्थानी गद्य

i. प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं वर्गीकरण -, विषयवस्तु एवं विशेषताएं

ii. कहानी

iii. उपन्यास

iv. नाटक

V. एकांकी

vi. निबंध

vii. संस्मरण एवं रेखाचित्र

viii. अन्य विधाएं व्यंग्य-हास्य :, आत्मकथा, आलोचना, यात्रावृतांत - -, रिपोर्ताज, अनूदित गद्य एवं गद्यगीत

इकाई– 8. राजस्थानी लोकविविध विधाएं : साहित्य-

• विषयवस्तु, वर्गीकरण एवं विशेषताएं–

i. राजस्थानी लोकगीत

ii. राजस्थानी लोककथा

iii. राजस्थानी लोकगाथा

iv. राजस्थानी लोक नाट्य

V. राजस्थानी लोकोक्ति साहित्य, कहावतें, मुहावरे एवं पहेलियां

इकाई– 9. राजस्थानी लोक संस्कृति सामान्य परिचय :

i. राजस्थानी लोकोत्सव पर्व -, मेले, तीजत्यौहार-

ii. राजस्थानी लोक देवीदेवता-

iii. राजस्थानी लोककलाएं मांडणा -, मेंहदी, सांझी, फड़, हस्तशिल्प

iv. राजस्थानी चित्रकला विभिन्न शैलियां एवं चित्रकार -

V. राजस्थानी स्थापत्य कला विभिन्न शैलियां एवं शिल्पकार -

vi. राजस्थानी लोक नृत्यप्रकार एवं कलाकार-

vii. राजस्थानी लोक वाद्य

viii. राजस्थानीसंस्कार-, रीतिरिवाज, खानपान-, वेशभूषा एवं आभूषण

ix. राजस्थानी लोक विश्वास एवं शकुन

X. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति सेवी संस्थाएं -

xi. राजस्थानी पत्रपत्रिकाएं एवं पुरस्कार-

इकाई– 10. राजस्थानी काव्यशास्त्र-

i. राजस्थानी साहित्य के प्रमुख लक्षण ग्रंथ सामान्य परिचय -

ii. काव्यरस सम्प्रदाय - शास्त्र के प्रमुख सिद्धांत-, अंलकार सम्प्रदाय एवं ध्वनि सम्प्रदाय

iii. शब्द शक्ति

iv. छंद दोहा, सोरठा, गीत, कुण्डलिया, छप्पय, नीसांणी, चौपई, झमाल, झूलणा, रेणुकी, कवित्त, चित्त इलोळ

V. अलंकार वयणसगाई, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, अतिशयोक्ति, व्याजस्तुति, अन्योक्ति, संदेह एवं भ्रांतिमान

vi. काव्य दोष अंध -, छबकाळ, हीण, निनंग, पांगळौ, जातविरोध, अपस्, नाळछेद, पखतूट, बहरौ, अमंगळ